किस्मत पे नाज़ | by Simran Kaur

कोई दौलत से प्यार करते हैं कोई शोहरत से प्यार करते हैं
जो श्याम के दीवाने हैं किस्मत पे नाज़ वो करते हैं

किसने तेरा बनाया किसने बिगाड़ डाला
डरता है क्यों जो संग में तेरे किस्मत बनाने वाला
कोई अपनों से प्यार करते हैं कोई सपनो से प्यार करते हैं
जो श्याम के दीवाने हैं किस्मत पे नाज़ वो करते हैं

किस से लिया दिया है उसकी फिकर ना करना
क्या क्या दिया कन्हैया ने इसका ज़िकर ही करना
कोई सूरत से प्यार करते हैं कोई सीरत से प्यार करते हैं
जो श्याम के दीवाने हैं किस्मत पे नाज़ वो करते हैं

मीतो के मीत हैं वो इनसे बड़ी ना यारी
नैया कभी डूबे ना जब खेवनहार बिहारी
डूबे है उसकी नैया जो खुद पे विश्वास करते हैं
जो श्याम के दीवाने हैं किस्मत पे नाज़ वो करते हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%a4-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%bc-by-simran-kaur/